राजलदेसर में मूसलाधार बरसात से सरकारी अस्पताल में पांच फीट पानी भरा

तेज बारिश से पूरे कस्बे में जलभराव की स्थिति बन गई, कई घरों और दुकानों में भी पानी घुस गया

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर में गुरुवार सुबह छह बजे से सात बजे के बीच हुई एक घंटे से अधिक की मूसलाधार बारिश ने कस्बे की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। तेज बारिश के चलते पूरे कस्बे में जलभराव की स्थिति बन गई और कई मुख्य मार्गों सहित निचले इलाकों में 2 से 3 फीट तक पानी भर गया।

पानी भरने से लोगों का आवागमन पूरी तरह प्रभावित रहा तथा कई घरों और दुकानों में भी पानी घुस जाने से घरेलू सामान व व्यापारिक प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचा। बारिश के कारण गांधी चौक, रेलवे स्टेशन रोड, फ्रेंड्स सोसायटी मार्ग, महेंद्र मुनि मार्ग, मेहंदीपुर बालाजी मार्ग, मुरलाई बस्ती, अंजनी माता मंदिर मार्ग, ढोली बस्ती, वार्ड संख्या 26 और वार्ड संख्या 35 सहित कई क्षेत्रों में भारी जलभराव हो गया। कई स्थानों पर सड़कें तालाब जैसी नजर आईं, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सबसे अधिक प्रभावित राजकीय चिकित्सालय रहा, जहां 4 से 5 फीट तक पानी भर जाने से रोगी भर्ती वार्ड, नर्सिंग क्वार्टर, एक्स-रे कक्ष, प्रयोगशाला, लेबर रूम तथा स्टोर रूम में पानी घुस गया। इससे अस्पताल के उपकरण, दवाइयों और अन्य सामग्री को लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। मरीजों और चिकित्साकर्मियों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बारिश के दौरान नगर पालिका की तैयारियों पर भी सवाल खड़े हुए। सुबह करीब 5:30 बजे बिजली आपूर्ति बाधित होने के बाद पंप हाउस में लगे जनरेटर में डीजल उपलब्ध नहीं होने से जल निकासी का कार्य समय पर शुरू नहीं हो सका, जिसके कारण कई इलाकों में पानी लंबे समय तक जमा रहा।

राजलदेसर में हुई बारिश से चिकित्सालय में पानी भरने से लोगों को परेशानी की सामना करना पड़ा।

- चिकित्सालय के रोगी भर्ती वार्ड, नर्सिंग क्वार्टर, एक्स-रे कक्ष, प्रयोगशाला, लेबर रूम तथा स्टोर रूम में पानी घुस गया
- पानी भरने से अस्पताल के उपकरण, दवाइयों और अन्य सामग्री को लाखों के नुकसान की आशंका जताई

हालांकि अच्छी बारिश से किसानों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों ने इसे खरीफ फसलों के लिए लाभदायक बताया। साथ ही लगातार पड़ रही उमस और गर्मी से भी लोगों को राहत मिली।

अधिशासी अधिकारी सीताराम मीणा ने बताया कि जलभराव की स्थिति को देखते हुए नगर पालिका के सभी कर्मचारियों को राहत कार्य में लगाया गया है। जिन क्षेत्रों में घरों में पानी घुस गया है, वहां टैंकर और पंपसेट लगाकर पानी निकासी का कार्य कराया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शर्मा ने बताया कि अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर नुकसान का आकलन किया जाएगा तथा आवश्यक व्यवस्थाएं शीघ्र बहाल की जाएगी। देर शाम तक भी कस्बे के कई मार्ग जलमग्न रहे और अनेक स्थानों पर पानी की निकासी पूरी तरह नहीं हो सकी, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

अलवर में बैंक जा रहे छात्र पर हमला, अपहरण की भी कोशिश

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के वैशाली नगर थाना क्षेत्र के खुदनपुरी इलाके में गुरुवार सुबह एक पॉलिटेक्निक छात्र पर दिनदहाड़े हमला करने का मामला सामने आया है। छात्र का आरोप है कि थार और कई मोटरसाइकिलों पर आए बदमाशों ने पहले उसकी स्कूटी को पीछे से टक्कर मारी, फिर सड़क पर गिराकर बेरहमी से मारपीट की। इतना ही नहीं, रिवॉल्वर दिखाकर जबरन गाड़ी में बैठाने की भी कोशिश की गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

- घटना का वीडियो भी सामने आया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है
- थार और मोटरसाइकिलों पर सवार युवकों ने छात्र की स्कूटी को टक्कर मारकर मारपीट की

घायल छात्र रितिक वर्मा (21) के अनुसार गुरुवार सुबह करीब 10:30 बजे अपनी स्कूटी से दिल्ली रोड स्थित एसबीआई बैंक में 1.50 लाख रुपए जमा कराने जा रहा था। जैसे ही वह चक्रधारी मंदिर के पास पहुंचा, पीछे से आई एक थार और मोटरसाइकिलों पर सवार युवकों ने उसकी स्कूटी को टक्कर मार दी। इसके बाद सभी ने उसे घेर लिया और सड़क पर पटककर मारपीट शुरू कर दी। रितिक का आरोप है कि बदमाशों ने उसके सिर पर रिवाल्वर की बट से वार किया और लाठी-सरियों से हमला किया। इस दौरान उसे थार से कुचलने की कोशिश भी की गई। आरोपियों ने जबरन गाड़ी में बैठाकर ले जाने का प्रयास किया, लेकिन शोर सुनकर आसपास लोग जमा हो गए। इसी बीच उसके ममेरे भाई अभिषेक जोनवाल भी मौके पर पहुंच गए। लोगों की मदद से रितिक को आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया गया।

पीड़ित का कहना है कि आरोपी उसके पास मौजूद 1.50 लाख रुपए नकद और करीब 15 ग्राम वजनी चांदी की चेन छीनकर फरार हो गए। हमले में उसका आईफोन-15 भी टूट गया और स्कूटी को भी नुकसान पहुंचा। घायल छात्र को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। रितिक ने पुलिस को दी शिकायत में अमित, विशाल, मन्नू, दिनेश, यश, सुमित, भूपेंद्र उर्फ भूप्पी, चंद्रप्रकाश उर्फ चीकू समेत अन्य युवकों को नामजद किया है। उसने बताया कि आरोपियों से उसकी पुरानी रंजिश चल रही है। उसके अनुसार 28 जुलाई को भी उसे मोबाइल पर जान से मारने की धमकी मिली थी, जिसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी गई थी। अलवर पुलिस के अनुसार मारपीट और लूट की शिकायत प्राप्त हुई है। पुलिस सभी आरोपों की जांच कर रही है। घटना का वीडियो भी खंगाला जा रहा है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जीके (ग्रुप-सी) एवं साइंस व संस्कृत की मॉडल उत्तरकुंजी जारी

अजमेर, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) परीक्षा-2025 अंतर्गत जीके (ग्रुप - सी) एवं साइंस तथा संस्कृत विषय की मॉडल उत्तर कुंजियां आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी गई हैं। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग के मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि यदि किसी अभ्यर्थी को इन मॉडल उतर कुंजियों पर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 1 से 3 अगस्त 2026 तक अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज करवा सकता है। आपत्तियां आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्र के क्रमानुसार ही प्रविष्ट करें। उक्त परीक्षा के मॉडल प्रश्न पत्र आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध है। साथ ही उक्त परीक्षाओं में सम्मिलित अभ्यर्थियों के अतिरिक्त यदि कोई अन्य व्यक्ति आपत्ति दर्ज करवाता है, तो उस पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। आयोग द्वारा प्रत्येक प्रश्न हेतु आपत्ति शुल्क 100 रूपए (सेवा शुल्क अतिरिक्त) निर्धारित किया गया है। अभ्यर्थी एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन कर उक्त परीक्षा के लिए उपलब्ध लिंक पर क्लिक कर प्रश्नों पर आपत्तियां दर्ज कराकर प्रति प्रश्न आपत्ति शुल्क 100 रूपए (सेवा शुल्क अतिरिक्त) के हिसाब से कुल आपत्ति शुल्क ई-मित्र कियोस्क अथवा अभ्यर्थी स्वयं भी रिक्रूटमेंट पोर्टल पर उपलब्ध पेमेंट गेटवे पर भुगतान कर आपत्तियां दर्ज कर सकता है।

नाबालिग ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। महावीर नगर थाना इलाके में एक 17 वर्षीय नाबालिग ने घर में फांसी का फंदा लगा लिया। मामले में सामने आया कि घटना के समय घर में कोई नहीं था, मां बाहर गई थी और छोटा भाई ट्यूशन पढ़ने गया था। परिजन जब घर पहुंचे तो नाबालिग फांसी पर फंदे पर लटकी मिली, जिसे उतारकर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। महावीर नगर थाने के एएसआई रामहेत ने बताया कि नाबालिग ने घर में फांसी का फंदा लगा लिया। घटना के वक्त नाबालिग घर में अकेली थी। मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। फिलहाल सुसाईड के पीछे कोई कारण सामने नहीं आया है। मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

चूरू में छह जुआरी गिरफ्तार

चूरू, (कासं)। पुलिस थाना रतननगर की टीम ने जुआ खेलते हुए 6 जुआरियों को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से 19,900 रुपए जुआ राशि जब्त की है। थानाधिकारी पुलिस थाना रतननगर सुभाषचन्द्र के नेतृत्व में टीम ने गश्त के दौरान एनएच 52 सड़क किनारे रोही रतननगर से आरोपी उमर कुरैशी पुत्र जाफर व्यापारी निवासी वार्ड नं. 24 रामगढ़ जिला सीकर, मोहम्मद हारुन पुत्र याकुब व्यापारी निवासी वार्ड नं. 30 रामगढ़ जिला सीकर, मोहम्मद रनजान पुत्र मोहम्मद सलीम तेली निवासी वार्ड नं. 20 रामगढ़ जिला सीकर, लतीफ कुरैशी पुत्र अब्दुल रहमान भिश्ती निवासी वार्ड नं. 30 रामगढ़ जिला सीकर, इलियास पुत्र गुलामनवी व्यापारी वार्ड नं. 30 रामगढ़ पुलिस थाना रामगढ़ जिला सीकर और सलीम पुत्र मोहम्मद यासीन व्यापारी निवासी वार्ड नम्बर 30 रामगढ़ के कब्जे से जुआ राशि जप्त कर प्रकरण दर्ज किया।

बीकानेर में दो हिस्ट्रीशीटरों के 10 अवैध कब्जों को बुलडोजर से तोड़ा

एक हिस्ट्रीशीटर पर 50 से ज्यादा केस दर्ज, दीवार बनाकर लोहे के गेट लगवा रखे थे

बीकानेर, (निसं)। यहां 2 हिस्ट्रीशीटरों के 10 से ज्यादा अवैध निर्माण को ढहाया गया। आधे घंटे चली कार्रवाई में बीकानेर डेवलपमेंट अथॉरिटी और 2 थानों की पुलिस मौजूद रही। कार्रवाई गंगाशहर इलाके में करमीसर गांव की ओर जाने वाले रास्ते पर की गई। इसमें जमीनों पर बाउंड्री कर लोहे के गेट लगा कर कब्जा किया गया था।

आमीन खान कोटगेट थाने का हार्डकोर हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ हत्या, हत्या का प्रयास और हथियार तस्करी के आरोप हैं। पिछले 20 साल से आमीन के खिलाफ हथियार सप्लाई के मामले दर्ज होते रहे हैं। बीकानेर में उसपर 50 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। हसन अली पर चार अलग अलग केस दर्ज है, जिसमें वो तीन में अदालत से दोषमुक्त हो चुका है। हसन के खिलाफ 2017 में आर्म्स एक्ट के तहत नयाशहर थाने में मामला दर्ज किया गया था, जिसमें अब तक अदालत में कार्रवाई चल रही है। इसके अलावा बीछवाल थाने में साल 2015 और कोटगेट थाने में 1996 में दर्ज मामले में अदालत से दोष मुक्त हो गया। वहीं हत्या के प्रयास का एक मामला सदर थाने में साल 2015 में दर्ज हुआ था। इसमें भी संदेह का लाभ देकर उसे दोषमुक्त किया गया।

जानकारी के अनुसार कोटगेट थाने के हिस्ट्रीशीटर आमिर खान और हसन अली से जुड़ी अवैध संपत्तियों और अतिक्रमणों को प्रशासन ने चिन्हित किया था। गुरुवार को बीकानेर विकास प्राधिकरण और पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की। कार्रवाई के दौरान सीओ गंगाशहर हिमांशु शर्मा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। बीडीए के उपायुक्त कुणाल राहड़ और तहसीलदार आकांक्षा गोदारा भी कार्रवाई की निगरानी करते रहे।

10.28 करोड़ के मादक पदार्थ नष्ट किये

चूरू, (कासं)। पुलिस लाईन चूरू में जिला चूरू के विभिन्न थानों में एनडीपीएस एक्ट की कार्रवाई में जब्त किये गये 10 करोड़ 28 लाख रुपए कीमत के अवैध मादक पदार्थों को पुलिस द्वारा नष्ट किया किया गया।

यहां रिजर्व पुलिस लाईन परिसर चूरू जिला चूरू में पुलिस थाना सालासर 1, राजगढ़ 7, सुजानगढ़ 5, सदर सुजानगढ़ 1, सरदारशहर 3, तारानगर 4, भानीपुरा 3, दुधवाखारा 5, कोतवाली चूरू 3, रतनगढ़ 2, भालेरी 1 एवं हमीरवास 4 प्रकरणों सहित कुल 39 एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों में करीब 26 क्विंटल 56 किलोग्राम डोडा-पोस्त चूरा व छिलका, 67 किलोग्राम गांजा एवं 149220 नशीली टेबलेट को कमेटी द्वारा जलाकर एवं जमीन में दबाकर नष्टीकरण किया गया।

लाखों की अवैध शराब जब्त

बीकानेर, (निसं)। आबकारी टीम ने कार्रवाई करते हुए 180 कार्टन अंग्रेजी शराब से भरी पिकअप जब्त की। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। जिससे पूछताछ जारी है। शराब की बाजार कीमत करीब 15 लाख रुपए बताई जा रही है।

जिला आबकारी अधिकारी मनोज बिस्सा ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर जिले के सुमेरपुर क्षेत्र में हाईवे पर टीम मुखबिर की सूचना पर अलर्ट रही। जैसे ही संदिग्ध पिकअप आई तो उसे रोका और तलाशी ली। तलाशी के दौरान पिकअप में चड़ीगढ़ ब्रांड की 180 कार्टन अंग्रेजी शराब मिली। ऐसे में पिकअप और शराब को जब्त किया। मामले में बीकानेर के सोडवाली (लुणकसर) निवासी 40 वर्षीय गिरधारीसिह पुत्र अमरसिंह को गिरफ्तार किया।

कोटा के अस्पताल में मरीज की मौत को लेकर परिजनों का हंगामा

कोटा, (निसं)। न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती मरीज की मौत के बाद मृतक के परिजनों द्वारा अस्पताल में हंगामा करने का मामला सामने आया है।

- मामला हाथापाई तक पहुंच गया और डॉक्टर से हाथापाई व धक्का-मुक्की भी की
- परिजनों का आरोप था कि मरीज का बेड बदलकर कोई ध्यान नहीं दिया गया, लापरवाही के चलते मरीज की मौत हो गई

जानकारी के अनुसार रामपुरा निवासी अमर सिंह (70) को लकवे की शिकायत व न्यूमोनिया सहित अन्य बीमारी होने पर अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया था, जहां गुरूवार को अस्पताल में उपचार के दौरान मरीज की मौत हो गई, जिसके बाद मृतक के परिजनों ने अस्पताल में हंगामा कर दिया और मामला हाथापाई तक पहुंच गया और डॉक्टर से हाथापाई व धक्का-मुक्की हो गई। परिजनों का आरोप था कि मरीज का बेड बदलकर कोई भी ध्यान नहीं दिया गया। लापरवाही के चलते मरीज की मौत हो गई। हंगामे की सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले में समझाईश की, वहीं हंगामे के बाद अस्पताल स्टॉफ ने कुछ समय के लिये कामकाज बंद कर दिया।

रेजिडेन्ट डॉक्टर एसोसिऐशन के अध्यक्ष डॉक्टर हेमंत शर्मा ने बताया कि मरीज अमर सिंह को ब्रेन स्टॉक, न्यूमोनिया व अन्य कई बीमारी पर न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आईसीयू वार्ड में डॉ. देवेन्द्र अजमेरा की यूनिट में भर्ती किया गया था। मरीज की तबियत बिगड़ने पर परिजनों को वेन्टीलेटर के लिये कहा, लेकिन परिजनों ने लिखित में वेन्टीलेटर सपोर्ट के लिये इंकार कर दिया। मरीज की तबीयत बिगड़ने पर सीपीआर दिया जा रहा था। पर मरीज की मौत होने पर मृतक के बेटे ने दूसरी यूनिट के एक रेजिडेन्ट डॉक्टर पर हमला कर मारपीट कर दी। मामले में पुलिस को भी शिकायत दी, जिस पर मृतक के बेटे को पुलिस ने डिटेन कर कार्यवाही की।

न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर आशुतोष शर्मा ने कहा कि रेजिडेन्ट डॉक्टर अस्पताल के वार्ड में राउंड ले रहे थे। एक मरीज की मौत होने पर परिजन ने हंगामा व डॉक्टर से हाथापाई की, मामले में शिकायत पुलिस को दी है।

महावीर नगर थानाधिकारी हरेन्द्र सिंह सौदा ने बताया कि न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती मरीज अमर सिंह की उपचार के दौरान मौत होने पर परिजनों ने हंगामा कर दिया एवं गुस्से में मृतक के बेटे ने डॉक्टर से हाथापाई कर दी।

छबड़ा के किसानों से कृषि कारोबार के नाम पर 12.50 लाख की ठगी

फर्जी फर्म बनाकर किसानों को शिकार बनाया, पंजाब से आरोपी को गिरफ्तार किया

छबड़ा, (निसं)। किसानों को कृषि व्यवसाय के नाम पर लाखों रुपये की चपत लगाने वाले अंतरराज्यीय ठग गिरोह का छबड़ा पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी और उसके साथियों ने फर्जी फर्म बनाकर किसानों को फलदार बगीचा, पॉलीहाउस एवं जैविक खाद की एजेंसी दिलाने का झांसा दिया और करीब 12.50 लाख रुपये की ठगी कर फरार हो गए। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

- आरोपी और उसके साथियों ने फर्जी फर्म बनाकर किसानों को फलदार बगीचा, पॉलीहाउस एवं जैविक खाद की एजेंसी दिलाने का झांसा दिया
- किसानों से नकद और चेक से लाखों रुपये वसूल कर आरोपी फरार

सीआई राजेश खटाना ने बताया कि 11 अक्टूबर 2023 को रिछडी श्यामपुरा निवासी छीतरलाल, देहरी निवासी मुकेश मीणा, इंद्रा कॉलोनी छबड़ा निवासी राधेश्याम मीणा तथा ग्रीन पार्क निवासी ओमप्रकाश ने छबड़ा थाने में मामला दर्ज कराया था। परिवाद में बताया गया कि आरोपियों ने फार्मर एग्रो सॉल्यूशन के नाम से फर्जी फर्म बनाकर झालावाड़ जिले के अकलेरा स्थित एक बैंक में खाता खुलवाया और किसानों को खेतों में फलदार पौधों का बगीचा विकसित कराने, पॉलीहाउस स्थापित कराने तथा जैविक खाद की एजेंसी दिलाने का भरोसा दिया।

आरोपियों ने किसानों से नकद और चेक के माध्यम से करीब 12.50 लाख रुपये वसूल किए और बाद में फरार हो गए। जांच के दौरान एफआईआर में दर्ज नाम, पते और मोबाइल नंबर भी फर्जी पाए गए। तकनीकी अनुसंधान और सूचना संकलन के आधार पर पुलिस ने गिरोह से जुड़े रघुनाथ गुप्ता निवासी बनकसही, थाना मुंडेरवा, जिला बस्ती (उत्तर प्रदेश), हाल निवासी लुधियाना (पंजाब) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से पूछताछ के आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश और ठगी के अन्य मामलों की जांच की जा रही है।

नाबालिग किशोरी ने आत्महत्या की

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के सदर थाना क्षेत्र के रोहनवाडा गांव में एक 16 वर्षीय किशोरी ने अपने घर के कमरे में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने

- आत्महत्या करने के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया है, पुलिस ने मामला दज कर जांच शुरु की

मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सदर थाना के एएसआई ने बताया कि रोहनवाडा निवासी टीना ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। टीना के अनुसार वह खेत पर काम करने गई हुई थी, जबकि उसकी 16 वर्षीय बेटी खुशबू घर पर अकेली थी। खेत से लौटने के बाद जब टीना ने बेटी को आवाज दी और अंदर से कोई जवाब नहीं मिला तो उसने देखा कि दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की से देखने पर खुशबू कमरे में पंखे से फंदे पर लटकी हुई मिली। घटना की सूचना मिलते ही पड़ोसी और पुलिस मौके पर पहुंचे। दरवाजा खोलकर किशोरी को नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, जहां पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है और मामला दर्ज कर विभिन्न पहलुओं से जांच की जा रही है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता,
सार्वजनिक निर्माण विभाग, विद्युत खण्ड, बीकानेर

क्रमांकः-अअ/वि. खण्ड/बी./ निविदा/2026-27/666 दिनांक :-27.07.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 21/वर्ष 2026-27
(NIB Code No PWD2627A1799)

निम्न हस्ताक्षर कर्ता द्वारा राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विद्युतीकरण कार्यों के लिए मोहरबन्द निविदाएं सा.नि.वि., राज मे सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों की प्रति अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की दिनांक 27.07.2026 से 07.08.2026 तक सायं 6.00 बजे तक जमा कराई जा सकती है। तकनीकी निविदा दिनांक 10.08.2026 को प्रातः 11.00 बजे खोली जायेंगी। प्री-बिड मिटिंग की दिनांक 04.08.2026 दोपहर 01.00 बजे है। निविदा की अन्य शर्तें एवं स्वीकृत तकमीना आदि का विवरण किसी भी कार्य दिवस के दौरान इस कार्यालय में उपस्थित होकर देखा जा सकता है। अन्य शर्तें व विवरण इस कार्यालय में व डीपीआर की वेबसाईट www.dipronline.org, http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। कुल कार्यों की संख्या 05 कुल लागत 56.45 लाख

UBN No.- 1. PWD2627WSOB07636, 2. PWD2627WSOB07637, 3. PWD2627WSOB07639 4. PWD2627WSOB07640, 5. PWD2627WSOB07641

(पीयूष सिंह)
अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. विद्युत खण्ड, बीकानेर

DIPR/C/13256/2026

GOVERNMENT OF RAJASTHAN
OFFICE OF THE ADDITIONAL CHIEF ENGINEER
WATERSHED DEVELOPMENT AND SOIL CONNSERVATION JODHPUR
(Near RTO Office, BJS Colony Jodhpur-342006)
E-mail: acewdsc.jodhpur@rajasthan.gov.in

S.No.F()/ACE-Ju/WDSC/MJSA2.2/Bids/2026-27/ Date:

NOTICE INVITING BID
NIB No. – JODHPUR/DIV/PHA/01/2026-27

Bids for Execution of following Watershed Development Works under MJSA 2.2 Scheme of estimated cost as mentioned below are invited from interested bidders up to 14.08.2026, 05.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (*https://eproc.rajasthan.gov.in* or *https://sppp.rajasthan.gov.in*) of the state, and *www.watershed.rajasthan.gov.in* departmental website.

Bid No.	Block	Name of Work	Estimated Cost, Rs.in lakhs.	UBN No.
MJSA-2.2/PHA/BAP/01	Bap	Construction of various Water harvesting structures under MJSA 2.2 in Block-Bap, District Phalodi	341.00	WSC2627WSOB01196
MJSA-2.2/PHA/AAU/02	Aau	Construction of various Water harvesting structures under MJSA 2.2 in Block- Aau, District Phalodi	309.66	WSC2627WSOB01197
MJSA-2.2/PHA/DECHU /03	Dechu	Construction of various Water harvesting structures under MJSA 2.2 in Block-Dechu, District- Phalodi	301.70	WSC2627WSOB01198
MJSA-2.2/PHA/GHANTIYALI/04	Ghantiyali	Construction of various Water harvesting structures under MJSA 2.2 in Block-Ghantiyali, District- Phalodi	449.15	WSC2627WSOB01199
MJSA-2.2/PHA/LOHAWAT/05	Lohawat	Construction of various Water harvesting structures under MJSA 2.2 in Block-Lohawat District- Phalodi	379.00	WSC2627WSOB01200

(Bhagirath Bishnoi)
Additional Chief Engineer
Watershed Development & Soil Conservation
Jodhpur

DIPR/C/13204/2026

महिला सशक्तिकरण के बिना विकसित भारत की कल्पना अधूरी है : राज्यपाल बागड़े

कोटा, (निसं)। कृषि विश्वविद्यालय कोटा एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित द्वि दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला स्वस्थ एवं शिक्षित महिला सशक्त राष्ट्र का शुभारम्भ गुरुवार को स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर मैनेजमेंट कोटा में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने किया। कार्यक्रम में देशभर से लगभग 300 वैज्ञानिकों, शिक्षकों, चिकित्सकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि राष्ट्र निर्माण का आधार केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि बौद्धिक विकास, ईमानदारी, जिज्ञासा तथा सतत अध्ययन की प्रवृत्ति है। उन्होंने विद्यार्थियों से निरंतर अध्ययन करने, प्रश्न पूछने और भारतीय ज्ञान परंपरा एवं वैदिक शिक्षा के मूल्यों को आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के बिना विकसित भारत की कल्पना अधूरी है तथा शिक्षित एवं स्वस्थ महिलाएँ ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला हैं।

कोटा में राज्यपाल बागड़े ने राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित किया।

- स्वस्थ एवं शिक्षित महिला : सशक्त राष्ट्र राष्ट्रीय कार्यशाला का कोटा में शुभारम्भ हुआ

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि गरीब एवं वंचित बालिकाओं की शिक्षा राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में संतुलित एवं पौष्टिक आहार के माध्यम से रोग प्रबंधन पर विशेष बल देते हुए कहा कि उचित भोजन अनेक बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण का प्रभावी माध्यम बन सकता है। उन्होंने शिक्षा, संस्कार एवं स्वास्थ्य को राष्ट्र की उन्नति के तीन प्रमुख स्तंभ बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की कुलपति डॉ. विमला डूंकवाल ने कहा कि नारी शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है। उन्होंने महिलाओं के सम्मान, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सहभागिता को समावेशी विकास का आधार बताते हुए प्रत्येक बालिका एवं महिला तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण समाज के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करता है।

इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा कार्यशाला की शोध पत्र स्मारिका का विमोचन भी किया गया। कार्यशाला के प्रथम तकनीकी सत्र आहार, विहार और महिला में डॉ. नीलांबरी दवे एवं डॉ. मिताबेन राजेश कोटेचा ने महिलाओं के स्वास्थ्य, संतुलित आहार, जीवनशैली, भारतीय परंपरागत भोजन एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता पर विस्तार से प्रकाश डाला। द्वितीय तकनीकी सत्र महिला एवं मानसिक स्वास्थ्य में डॉ. अजीत शर्मा ने मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, भावनात्मक संतुलन तथा बदलती जीवनशैली के प्रभावों पर विस्तृत व्याख्यान दिया।तृतीय तकनीकी सत्र महिला शारीरिक स्वास्थ्य जागरूकता में डॉ. ज्योति शर्मा, डॉ. अनुपमा चतुर्वेदी एवं डॉ. अंजना शर्मा ने महिलाओं के शारीरिक स्वास्थ्य, स्त्री रोगों की रोकथाम, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण, स्वच्छता एवं समय पर चिकित्सकीय परामर्श के महत्व पर विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। कार्यक्रम के दौरान महिला स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं सशक्तिकरण विषयक पोस्टर प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसका अवलोकन राज्यपाल एवं विशिष्ट अतिथियों ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों के नवाचारों एवं वैज्ञानिक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए शोध को समाजोपयोगी बनाने का आह्वान किया।